Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **2**

APF–2042

M.A. (Final) Examination, 2022

SANSKRIT

[वर्ग ई—व्याकरणशास्त्र (प्रक्रिया एवं दर्शन)]

Paper - VIII

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सर्वे प्रश्नाः समानाङ्काः, सर्वे समाधेयाः। कस्यापि प्रश्नास्योत्तरं **पञ्चाशत्** शब्दात् अधिकं न भवेत्।

   (i) 'अधिहरि' इति पदस्य नामपूर्वकः समास विग्रह कर्त्तव्यः।

   (ii) 'सचक्रम्' इति पदस्य समासविधायकं सूत्रं विलिख्य समास विग्रह कर्त्तव्यः।

(iii) 'द्विगुरे क वचनम्' इति सूत्रस्य अर्थोदाहरणे लेखनीये।

(iv) 'वेत्तेर्विभाषा' सूत्रस्य सोदाहरणः अर्थोलेख्यः।

(v) 'अनेकमन्यपदार्थे' सूत्रस्य सोदाहरणः अर्थो लेख्यः।

(vi) 'न कपि' सूत्रस्य अर्थो लेखनीयः।

(vii) 'प्राप्तोदकोग्रामः' समास विग्रह कर्त्तव्यः।

(viii) अथ किमर्थं वर्णानामुपदेशः ? इति विवेचत।

(ix) काः स्वर दोषभावनाः इति लिखत।

(x) 'कति विद्या शब्दानां प्रवृत्तिः' इति विवेचत।

खण्ड–ब

नोट :– केऽपि **पञ्च** समाधेया।

2. शब्दनित्यत्व अनित्यत्व इति सोदाहरणेन विवेचयत।

3. प्रत्याहारेऽनुबन्धानां कथमज् ग्रहणेषु न इति व्याख्यायत।

4. 'विभाषाऽकर्मकात्' इति सूत्रं सुस्पष्टं व्याख्येयम्।

5. 'उपसर्जनं पूर्वम्' इत्यस्य सोदाहरणं व्याख्या विधेया।

6. 'अव्ययं विभक्ति' इति पूर्णं विलिख्य व्याख्या विधेया।

7. 'तृतीया तत्कृतार्थेनगुण वचनेन' इति सोदाहरणं व्याख्यायत।

8. 'अप्पूरणीप्रमाण्योः' इत्यस्य सोदाहरण व्याख्यायत।

खण्ड–स

नोट :– कावपि **द्वौ** प्रश्नौ उत्तरणीयौ।

9. 'रक्षोहागमलघ्वसंदेहाः प्रयोजनम्' इत्यस्य महाभाष्यकारानुसारेण व्याख्यायत।

10. 'द्वचष्टनः सङ्ख्यायामबहुब्रीह्यशीत्योः' 'कुमहद्भ्यामन्यतरस्याम्' इति सूत्र द्वयस्य सोदाहरणं च व्याख्येयम्।

11. 'संख्या वंश्येन' 'सन्महत्परमोत्तमोत्कृष्टाः पूज्यमानैः इति सूत्र द्वयस्य सोदाहरणञ्च व्याख्यायत।

12. 'परवल्लिङ्गं द्वन्द्व तत्पुरुषयोः' 'नधृतश्च' इति सूत्र द्वयंसपदकृत्यं सोदाहरणं च व्याख्येयम्।